R.N.I.- UP-
HIN/2001/3996
ISSN- 2581-6128

स्थापन दिवस के 24वें वर्ष में प्रवेश

# शहर समता

(हिंदी साप्ताहिक)

www.shaharsamta.com

शोध पत्र

'कर्मक्षेत्र रणभूमि यही है, मानव हो तुम कर्म करो।
कर्म से कभी विमुख न रहना, मन में यह संकल्प करो।'-
उमेश श्रीवास्तव

संस्थापकः स्व0 कन्हैया लाल, स्व0 श्रीमती साधना श्रीवास्तव
सम्पादकः उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

कवि और कविता विशेषांक

वर्ष 24 | अंक 40 | रविवार, इलाहाबाद, 2 मार्च 2025 | पृष्ठ 4 | विशेषांक मूल्यः 3 रू0

## संपादकीय

### इस बार डॉक्टर पूर्णिमा पाण्डेय

उमेश श्रीवास्तव

**नारी मन की अद्भुत छाया,**
**कविता में झलकती है ।**
**पढ़ी-लिखी पूर्णिमा पाण्डेय ,**
**कविता में वह कहती है ।**

*''मेरा अभिमान, मेरा स्वाभिमान हैं पिता*
*पिता छांव बिन सब कुछ हैं अधूरा''*

पिता पर इतना सुंदर विचार रखने वाली डॉक्टर पूर्णिमा पाण्डेय का काव्य धरातल आध्यात्मिकता से सराबोर है। सहज, सरल व्यक्तित्व की मालिक, डॉक्टर पूर्णिमा पाण्डेय जितनी सरल कविता लिखती हैं , उतनी ही सरल इंसान हैं । डॉक्टर पूर्णिमा पाण्डेय ने कविता, कहानी, लेख, संस्मरण लगभग गद्य पद्य की कई विधाओं पर अपनी कलम चलाई । उनकी कविताओं में सामाजिक सरोकार के कई बिम्ब झलकते हैं। उनकी कविताओं की बानगी देखिए

पहली बानगी

समय का पहिया सर्वदा गतिमान
समय के आगे झुकते सभी इंसान
चाहे वो कितना बड़ा विद्वान
समय ही है सबसे बड़ा बलवान

दूसरी बानगी

हद से ज्यादा फूलों मत
अपनों को भूलो मत ।
अपने अपने ही होते
उनसे कभी बिगाड़ो मत ।

तीसरी बानगी

आज की नारी हूँ
सब पर भारी हूँ
घर बाहर सब
करती काम
नहीं किसी से आस
वीरता की प्रतिमूर्ति हूँ।

प्रयागराज शहर में रच बस गई डॉक्टर पूर्णिमा पाण्डेय की कविताओं पर आधारित इस विशेषांक का अवलोकन करिये और बताइए कि डॉक्टर पूर्णिमा पाण्डेय अपनी साहित्यिक धरोहर को लेकर साहित्य के किस मुकाम पर खड़ी हैं। इसका निर्णय आप करिए और बताइए की अंक आपको कैसा लगा ? प्रतिक्रिया जरूर दीजिए ।

अंत में -

**विविध विचारों से परिपूर्ण ,**
**पूर्णिमा पाण्डेय की सब कविता ।**
**जैसे लगता सावन-भादो ,**
**कविता में बहती है सविता ।**

# चाँद की तरह सम्पूर्ण कला से परिपूर्ण हैं डॉ पूर्णिमा पाण्डेय

**लवकुश तिवारी**

डॉ पूर्णिमा पाण्डेय जी के व्यक्तित्व एवम कृतित्व की समीक्षा को शब्दों में सीमित करना नही है । आपका व्यक्तित्व सागर की तरह विशाल है,तथापि एक अनुभव जन्य प्रयास किया जा सकता है। डा. पूर्णिमा पाण्डेय जी पूर्णिमा के चांद की तरह सम्पूर्ण कला से अलंकृत हैं। आपके व्यक्तित्व की शीतलता सार्वभौमिक है । आज लेखनी धन्य मान रही जो, ज्ञानी गुणी विदुषी कवयित्री साहित्यकारा के व्यक्तित्व एवम कृतित्व पर कुछ शब्द मंजरी अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त कर रही है।

### संछिप्त परिचय

पिता - श्री चन्द्रशंकर दुबे
माता - श्रीमती विदुषी दुबे
पति - राकेश पाण्डेय
शिक्षा- एम ए (अर्थशास्त्र,इतिहास) बीएड, पीएच डी
मानद उपाधि - डी लिट
संप्रति - स्वतंत्र लेखन साहित्य सेवा समाज सेवा
सेवा निवृत्त शिक्षिका नवोदय साहित्यिक मंच की उपाध्यक्षा

### व्यक्तित्व

आभासी साहित्य समागम में प्रत्यक्ष रूप से मिलना संभव नही हो पाता किंतु साहित्य के पुन्य सफर में लेखनी से जो भाव प्रकट होते है उन्हे पढ़कर किसी के व्यक्तित्व को समझा या परखा जा सकता है । मैने जो महसूस किया आदरणीया पूर्णिमा दीदी का व्यक्तिव

चंद्रमा के समान सौम्य और शीतल है ।उनकी मधुर वाणी को सुनकर कोई भी नतमस्तक हो जाता है । बहुत ही सरल व्यक्तित्व की धनी है । बनावटी पन दूर दूर तक उनके व्यक्तित्व को स्पर्श नही करता । इस व्यक्तिव का श्रेय उनके शिक्षित परिवार को जाता है । प्रतिष्ठित परिवार में जन्म होने से आपके अंदर उच्चकोटि के संसार समाहित है । जिस माटी में ख्याति प्राप्त कवयित्री महादेवी वर्मा जी का जन्म हुआ,उसी मिट्टी की आप भी पुत्री हैं । जिस प्रभाव दिखाई देता है। ईश्वर की बड़ी कृपा है आपका जीवन निरंतर कीर्तिमान रहे,यही अभिलाषा है।

### कृतित्व

आपके कृतित्व की बात की जाय तो आपने अपने सेवाकाल में शिक्षिका के रूप में विद्यार्थियों के दिल में जो स्वयं की भाव शैली का जो आदर्श स्थापित किया है वह अवर्णनीय है। आपको राष्ट्रीय एवम राज्य पुरस्कार से सम्मानित हुई हैं। सेवा निवृत्त के बाद आपने साहित्य सेवा में पूर्ण सहभागिता प्रदान की है । वर्तमान में आप नवोदय साहित्यिक मंच की यशस्वी उपाध्यक्ष हैं । आपको डी लिट की मानद उपाधि भी प्राप्त हुई है। अनेक मंचो के सम्मान पत्रों की गणना की जाय तो उनकी संख्या हजारों में है। 2023 में आपको नारी रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया है। आप महादेवी वर्मा गोल्डन अवार्ड,अमृता प्रीतम पोएट्री अवार्ड, नेशनल यूनिटी अवार्ड आदि सम्मानों से नवाजा गया है। सेवा काल में भी अनेक सम्मान आपको प्राप्त हुए है । ये सभी सम्मान आपके कृतित्व के वृहद स्वरूप को प्रकट करने के लिए पर्याप्त है।

आपकी कृतियां - दीपोत्सव,आज की नारी,सप्त रंग, नटखट बचपन,शक्ति स्वरूपा,पिता की छांव सत्य के राही,शक्ति आराधना, भारत माता की जय, कलम बोलती है, बाल प्रहरी आदि प्रमुख हैं।

आपके कृतित्व निरंतर बढ़ते रहें, साहित्य सेवा में आपका योगदान अग्रणी भूमिका में रहे यही मां भगवती से प्रार्थना है ।

**माधवपुरी**
**सतना मध्यप्रदेश**

## डॉ पूर्णिमा पाण्डेय की कविताएं

### हलधर नाग

(कोसली भाषा के कवि)
हलधर नाग!हलधर नाग!!
लोक कवि रत्न नाम से प्रसिद्ध
हलधर नाग!हलधर नाग!!
निर्धन कुल में जन्म लिया
हलधर नाग!हलधर नाग!!
धोती गमछा बनियान पहने
हलधर नाग!हलधर नाग!!
नंगे पैर चलते
हलधर नाग ! हलधर नाग !!
तीसरी कक्षा तक पढ़े हुए
हलधर नाग!हलधर नाग!!
पदम श्री से सम्मानित
हलधर नाग !हलधर नाग!!
पहली पुस्तक धो धो बरगाजी
हलधर नाग!हलधर नाग!!
सृजन किया बीस महाकाव्य
हलधर नाग! हलधर नाग!!
सभी काव्य कविताएं कंठस्थ
हलधर नाग !हलधर नाग!!
सादा जीवन उच्च विचार
हलधर नाग !हलधर नाग!!
भौतिक चीजों से दूर
हलधर नाग ! हलधर नाग !!
उच्च कोटि का व्यक्तित्व
हलधर नाग!हलधर नाग!!
साहित्य जगत में है नाम
हलधर नाग! हलधर नाग!!
साहित्य जगत को समृद्ध किया
हलधर नाग!हलधर नाग!!
करती हूं वंदन आपका
हलधर नाग!हलधर नाग!!

### हिंदी माथे की बिंदी

भारत के माथे की बिंदी हिंदी,
देवनागरी लिपि में हिन्दी
भारतीय संस्कृति की आत्मा हिंदी,
मेरी आन हिंदी
मेरी शान हिंदी ,मेरी बान
हिंदी हम सबकी जान हिंदी
बड़ी संस्कारी हिंदी
साहित्य का सागर हिंदी
हम सबकी पहचान हिंदी ,
साहित्य का संस्कार हिंदी
जन जन की वेदना हिंदी ,
देश का गौरव हिंदी
मेरा स्वाभिमान हिंदी ,

## लघुकथा

# नजर का धोखा

अरे मेरा कान का कुंडल नहीं मिल रहा है। नैना बहुत चीख चीख कर चिल्ला रही थी ।मैंने यही दीपावली की पूजा के बाद उतारकर मेज पर रख दिया था जरूर यह रमिया (नौकरानी) ले गई होगी। सीसीटीवी कैमरा बैक करो देखो सीसीटीवी कैमरे में देखो....रमिया मेज पोछती दिखी।

रमिया को बुलाया गया... मेरे कान का कुंडल तूने चोरी किए हैं , मैंने यही रखे थे लाकर दे ....वह रो रो के कह रही थी बहुरानी मैंने कुंडल नहीं लिए ...मुझे मत निकालो लेकिन बहुरानी कहां मानने वाली थी। मुझे विश्वास नही हो रहा था कि रमिया ऐसा कर सकती है..मैं बेबस थी। खैर रमिया का घर निकाला हो गया।

रवि ने कई दिनों के बाद कुर्ता पहना तो जेब से कुंडल मिले। नैना को याद आ गया कि मैंने रवि के कुर्ते में कुंडल डाले थे .. कमरे में जाकर निकाल लूँगी। नैना को बहुत पश्चाताप हो रहा था सीसीटीवी कैमरे में रमिया दिखी थी मेज पोछती हुई नजरों का धोखा था ...मैंने चोरी का आरोप लगा दिया तुरंत रवि के साथ रमिया के घर गई उससे क्षमा मांगी और अनुनय विनय कर रमिया को अपने घर काम पर वापस ले आए।

**डॉ पूर्णिमा पाण्डेय**

कवि और कविता विशेषांक

हिंदी साप्ताहिक शहर समता

# डॉ पूर्णिमा पाण्डेय की कविताएं

ऊंच नीच का भेद मिटाती हिंदी
सबसे अच्छी भाषा हिंदी ,
मुझको प्यारी मेरी हिंदी।
पूरे विश्व मे है इसकी पहचान ,
करती है सबको जोड़ने का काम
हमारा मान सम्मान हिंदी,
मेरे दिल की धड़कन हिंदी
देश की गौरव गाथा हिंदी,
सबके मन भाती हिंदी
हिंदी को सब अपनाए ,
इसे अपना अंग बनाये।।

## समय का पहिया

समय का पहिया सर्वदा गतिमान
समय के आगे झुकते सभी इंसान
चाहे वो कितना बड़ा विद्वान
समय ही है सबसे बड़ा बलवान
बड़े से बड़ा गुजरता समय चक्र से
चाहे राजा हो या रंक
समय कब करवट बदलता
जो तुम्हारे भाग्य में लिखा
समय के साथ सभी को चलना होगा
नहीं चले तो परेशान होना होगा
जिसने किया समय का सदुपयोग
बन गया वह महान
समय का पहिया रोकने से नहीं रुकता
कब पलट जाए पता नहीं चलता
कभी समय पहले अच्छा आता है
कभी बुरा समय बाद में आता है।
हमेशा सोच रखो सकारात्मक
मन में मत लाओ विचार नकारात्मक
समय का पहिया घूमता रहता
जी भर ज़िंदगी को जिओ हर क्षण।।

## मेरी प्यारी मां

माँ तुम पर क्या लिखूं
कितना लिखूं
रहोगी तुम फिर भी अपरिभाषित
चाहे जितना लिखूं

भगवान का दूसरा रूप लिखूं
ममता का गहरा सागर लिखूं
प्रीत की गागर लिखूं
खुशियों की पिटारी लिखूं
रहोगी तुम फिर भी अपरिभाषित
चाहे जितना लिखूं।

रब की परछाई लिखूं
दुनिया की सबसे सुंदर लिखूं
या सबसे अनमोल लिखूं
जीवन का कोई पर्याय नही लिखूं
रहोगी तुम फिर भी अपरिभाषित
चाहे जितना लिखूं।

परेशानी का हल लिखूं
त्याग की देवी लिखूं
ममता की मूरत लिखूं
ज़िन्दगी का सानिध्य सुवासित करती लिखूं
रहोगी तुम फिर भी अपरिभाषित
चाहे जितना लिखूं।

माँ तुम पर क्या लिखूं
कितना लिखूं
रहोगी तुम फिर भी अपरिभाषित
चाहे जितना लिखूं।

## सीता

परम पुनीता सीता ! सीता !!
जनक सुता सीता ! सीता !!

शक्ति स्वरूपा सीता ! सीता !!
दिव्या सुभाषिनी सीता ! सीता!!

आदर्श पूजनीय सीता ! सीता !!
जगत स्वामिनी सीता ! सीता !!

प्रेम मूर्ति सीता ! सीता !!
लक्ष्मी का अवतार सीता !सीता!!

गौरवशाली चरित्र सीता! सीता!!
सेवा संयम त्यागमूर्ति सीता !सीता!!

शालीनता हिम्मती सीता ! सीता!!
कोमल अंगिनी सीता ! सीता!!

राम मन बसी सीता! सीता !!
परम हितकारी सीता ! सीता!!

जनक सुता जानकी !तुम्हें बारंबार प्रणाम !!
करती रहूं वंदना !सीता माता राम !!

## ज़िन्दगी तेरे रंग अनेक

आप मेरी जिंदगी में आए
बहार ही बहार आई
नीरस मेरी हो गई थी जिंदगी
अब प्रसन्नता से भर गई जिंदगी।
जिंदगी तेरे रंग अनेक

चारों ओर था घनाअंधेरा
ढूंढती थी चारों ओर उजाला
चारों तरफ रहती मेरे खामोशियां
आपके आने से
जिंदगी में सुकून मिल गया ।
जिंदगी तेरे रंग अनेक

जिंदगी कब तक है कोई नहीं जानता
समय के साथ जीवन बढ़ता जाता
एक साँस सबके हिस्से पर हर पल है घटती
कोई जी लेता है जिंदगी
किसी की कट जाती है जिंदगी।
जिंदगी तेरे रंग अनेक

जिंदगी कुदरत का दिया उपहार
जिंदगी में धूप छांव आती रहती
आशा निराशा भी आती रहती
जीवन यात्रा अनवरत चलती रहती।
जिंदगी तेरे रंग अनेक

जिंदगी के सफर में बढ़े चलो
नई उम्मीद नई आशा के साथ
कदम से कदम बढ़ाते चलो
कर्तव्य पथ पर बढ़ते चलो।
जिंदगी तेरे रंग अनेक

जिंदगी को हंस कर जियो
कल की चिंता ना करो
प्रतिदिन जियो खुलकर
ऐसे जिओ जग याद रखें।
जिंदगी तेरे रंग अनेक।।

## अब बहारों से डर लगता है

चमन सूना सूना हो गया
अब बहारों से डर लगता है।

कितना सुंदर है आशियाना
गली आँगन सब महकता है।

घर आने से ही तुम्हारे
घर आँगन चहकता है।

कहीं कोई नजर न लगाए
लोगों की नजरों से डर लगता है।

हर खुशी गम साथ साथ बांटे
भगवान सबका दुख हरता है।

कब समय बदल जाए
एक सा समय नहीं रहता है।

आज का दौर है ऐसा
पल पल डर ही लगता है।

## छठ पूजा

आस्था और श्रद्धा का मन भावन छठ
नर नारी सब मनाते यह त्यौहार।
छठ पूजा का पर्व सूर्य देव की उपासना
आशीष सब पाते करते आराधना।
पहला दिन होता नहाय खाय
दूसरे दिन होता खरना मनाय।
यह पूजा ऐसी ,बिना पुजारी की
हैं देवता प्रत्यक्ष जाति समुदाय से परे।
गाते है लोकगीत बनते पकवान घर घर
भक्ति भाव से भरा हुआ
ऊँच नीच का भेद नही।
धर्म संस्कृति की छटा ही छटा बिखराये
सूर्य उपासना का पर्व नर नारी मनाये।।
छठ पूजा का करो सत्कार
सभी को शुभकामनाएं अपरम्पार।

## नारी

मैं शक्ति स्वरूपा नारी हूँ,
मैं शक्ति हूँ मैं पूजा हूँ।
मैं पानी जैसी शीतल हूँ,
मैं सृष्टि की नियामक हूँ।
मैं शक्ति स्वरूपा .....

मैं वाणी हूँ मैं गीत हूँ,
मैं गीतों की सुरता हूँ।
मैं कोमल हूँ कमजोर नही,
मैं प्रीत हूं मधुशाला हूँ।
मैं शक्ति स्वरूपा .....

मैं वर्तमान हूँ भविष्य हूँ,
मैं दुष्ट संहारी,तीक्ष्ण कटारी हूँ।
मैं ममता हूँ त्याग हूँ,
मै नारी शक्ति रूपा हूँ।
शक्ति स्वरूपा.....
मैं शक्ति स्वरूपा .....

मैं शिव की शक्ति हूँ,
मैं बलिदानों की गाथा हूँ।
मैं वीरांगना हूं कर्म धात्री हूँ,
मैं गरिमा हूँ आभा हूँ।
मैं शक्ति स्वरूपा.....

मैं खुशियों का नूर हूँ,
शक्ति स्वरूपा का रुप हूँ।
मैं धैर्य की मूर्ति हूँ,
साक्षात दुर्गा संतोषी हूँ।
मैं शक्ति स्वरूपा.....

ममता रूपी सागर हूँ,
मैं पूर्ण रूप से सक्षम हूँ।
मैं अबला नहीं सबला हूँ,
मुझे गर्व है मैं नारी हूँ।
मैं शक्ति स्वरूपा.....

## होली गीत

होली आई होलीआई
धरती पर सुनहरी आभा छाई।
होली आई .....

रंगों की सौगात लाई
नया जोश नया जज्बा लाई
रंग गुलाल पिचकारी
गली-गली है छा गई।

होली आ गई.....

आओ मिलकर खेले होली
प्रेम रंग से खेले होली
रंग अबीर गुलाल बिखेरे
हर तरफ धूम मचाए।

होली आई.....

आओ मिलकर हुड़दंग करें
नफरत की आहुति होलिका में धरे
सब को प्यार से रंग लगाए
मन के सब भेदभाव हटाए।

होली आई .....

निकल रही है चारों ओर टोली
प्रेम प्यार से खेलें होली
ढोलक झांझ मंजीरों साथ
सब मिलकर गाये फाग।

होली आई.....
होली आई.....
धरती पर.....

## सजना है मुझे सजना के लिए

सजना है मुझे सजना के लिए
व्रत रखूंगी सजना के लिए
करूंगी मैं सोलह सिंगार
आज करवा चौथ का त्यौहार।
सजना है.....

अपने हाथों में मेहंदी रचाऊंगी
उसमें पिया का नाम लिखवाऊंगी
लाल जोड़ा पहन कर मैं
प्रेम रंग बरसाऊंगी।
सजना है.....

माथे पे बिंदिया मांग में सिंदूर
कान में झुमके पहनूंगी
सतलड़ा हार पहन के
माँगटीका लगाऊंगी।
सजना है.....

आंखों में कजरा डालकर
नैनों का जादू चलाऊंगी
बालों में गजरा लगा कर
पिया के मनभाऊँगी।
सजना है.....

ले पूजा थाल चलूंगी
चलनी से करूँगी पिया का दीदार
करूंगी दीर्घायु की प्रार्थना
गौरी माँ सुन ली मेरी कामना।
सजना है.....

## स्कंदमाता (माहिया छंद)

जग तारण माता
कुल तारण माता
दरशन दे दो माता ।

महिमा तेरी न्यारी
पूजत नर नारी
मा सबको वर देती।

तुमसे उजियारा है
तुमी सहारा हो
नवजीवन देती हैं ।

मैं तेरे द्वार खड़ी
दरस दिखा दे मा
बस एक झलक तुमारी।

## गंगा मैया

गंगा मैया मेरी मुरादे पूरी कर दो
पियरी तुम्हें चढ़ाऊंगी
डुबकी भी लगाऊँगी
मिठाई का भोग लगाऊँगी।

मैया मेरा भाग्य आंखों में लिख दो
दर्शन करूं मैं तुम्हारा बार-बार ।
गंगा मैया मेरीमुरादे.....
पियरी तुम्हे.....।

गंगा मैया मेरा भाग्य माथे पर लिख दो
डुबकी लगाउ शीश झुकाऊं तुम्हें बारंबार
गंगा मैया मेरी मुरादे .....
पियरी तुम्हें.....।

गंगा मैया मेरा भाग्य हृदय पर लिख दो
सुमिरन करूं मैं तुम्हारा बारंबार
गंगा मैया मेरी मुरादे
पियरी तुम्हें चढ़ाऊंगी
डुबकी भी लगाऊंगी
मिठाई का भोग लगाऊंगी।

## लहर लहर मां की लाल (गीत)

लहर लहर मां की लाल
चुनरी लहराई है
मां सोलह श्रृंगार कर
मंद मंद मुसकाई है।

मंदिर में चौकी बिछाई है
माँ उस पर विराजी है
सिर पर मुकुट पहनाया है
मांग सिंदूर से सजाई है

लहर लहर.....
माँ सोलह.....।

मां कजरा लगवाई है
मेहंदी भी लगाई है
बालो में गजरा लगाया है
मैंने चूड़ियां भी पहनाई है

लहर लहर.....
सोलह सिंगार.....।

मां को टीका लगाया है
नथुनी भी पहनाई है
झुमका भी पहनाया है
मैंने माला भी पहनाई है

लहर लहर.....
मां सोलह .....।

कमरबंद पहनाई है
मैंने पायल भी पहनाई है
कर के सोलह श्रृंगार मां का
लाल चुनरी ओढ़ाई है

लहर लहर .....
मां सोलह .....

## हद से ज्यादा फूलों मत

हद से ज्यादा फूलों मत
अपनों को भूलो मत ।

अपने अपने ही होते
उनसे कभी बिगाड़ो मत ।

बहुत ज़्यादा गुरुर मत करो

# डॉ पूर्णिमा पाण्डेय की कविताएं

अपनी सीमा को भूलो मत ।

सुख दुख जीवन में आए
औकात अपनी भूलों मत ।

अच्छे कर्म करना सदैव
उन पर इतराना कभी मत।

दूसरों की सहायता करना हमेशा
एहसान कभी दिखाना मत।

जिसने शिक्षा तुम्हें दी
उन लोगों को भूलो मत ।

जीवन है कितने दिन का
हद से ज्यादा फूलो मत ।

मन में यदि है विश्वास
जीत सकते हो सब जग।।

## इस जग को तुम तार दो

इस जग को तुम तार दो
जीवन मे माँ सुख सार दो
मैया के माथे बिंदी लगी है
मां सुंदर छबीली लगी है
मेरी सिंदूर की लाज रख दो
इस जीवन को तुम तार दो
जीवन में मां सुख सार दो

मैया के माथे मुकुट सजा है
मुकुट में हीरे मोती जड़ा है
मेरे टीके की लाज रख दो
इस जीवन को तुम तार दो
जीवन में मां का सुख सार दो

मैया के अंग सा साड़ी सजी है
साड़ी में गोटा चांदी जड़ी है
मेरी चुनरी की लाज रख दो
इस जीवन को तुम तार दो
जीवन में मां सुख सार दो

मैया के पैरों पायल सजी है
पायल में मोती नग लगे हैं
मेरी बिछुये की लाज रख दो
इस जीवन को तुम तार दो
जीवन में मां सुख सार दो।

## आज की नारी हूँ

आज की नारी हूँ
सब पर भारी हूँ
घर बाहर सब
करती काम
नहीं किसी से आस
वीरता की प्रतिमूर्ति हूँ।

आज की नारी.....

कभी माँ कभी पत्नी
कभी बहन कभी पुत्री
अनेकों रूपों से भरी
हर रिश्ता निभाती हूँ।

आज की नारी .....

दुर्गा हूँ काली हूँ
लक्ष्मी हूँ शारदा हूँ
अबला नहीं सबला हूँ
शक्तियों से भरपूर हूँ।

आज की नारी.....

पुरुषों से कंधा मिला
करती सब काम
मुझे अपने पर गर्व है
अपने पैरों खड़ी हूँ।

आज की नारी .....

निरंतर आगे बढ़ती जाती
शिक्षा ,विज्ञान ,चिकित्सा क्षेत्र
सब क्षेत्रों में बनाती
नये नये कीर्तिमान हूँ।

आज की नारी .....

युग निर्माणी हूँ
इतिहास देश का रचती
सत्य मार्ग दिखलाती
हर पद की सच्ची अधिकारी हूँ।

आज की नारी.....

## नारी

मैं शक्ति स्वरूपा नारी हूँ,
मैं शक्ति हूँ मैं पूजा हूँ।
मैं पानी जैसी शीतल हूँ,
मैं सृष्टि की नियामक हूँ।

मैं शक्ति स्वरूपा .....

मैं वाणी हूँ मैं गीत हूँ,
मैं गीतों की सुरताल हूँ।
मैं कोमल हूँ कमजोर नही,
मैं प्रीत हूं मधुशाला हूँ।

मैं शक्ति स्वरूपा .....

मैं वर्तमान हूँ भविष्य हूँ,
मैं दुष्ट संहारी,तीक्ष्ण कटारी हूँ।
मैं ममता हूँ त्याग हूँ,
मै नारी शक्ति रूपा हूँ।

मैं शक्ति स्वरूपा.....
मैं शक्ति स्वरूपा .....

मैं शिव की शक्ति हूँ,
मैं बलिदानों की गाथा हूँ।
मैं वीरांगना हूं कर्म धात्री हूँ,
मैं गरिमा हूँ आभा हूँ।

मैं शक्ति स्वरूपा.....

मैं खुशियों का नूर हूँ,
शक्ति स्वरूपा का रुप हूँ।
मैं धैर्य की मूर्ति हूँ,
साक्षात दुर्गा संतोषी हूँ।

मैं शक्ति स्वरूपा.....

ममता रूपी सागर हूँ,
मैं पूर्ण रूप से सक्षम हूँ।
मैं अबला नहीं सबला हूँ,
मुझे गर्व है मैं नारी हूँ।

मैं शक्ति स्वरूपा.....

## सच धधक कर सामने आयेगा

सच धधक का सामने आएगा
झूठ का चेहरा उतर जाएगा।

जैसे-जैसे सच का सामना होता जाएगा
झूठ सच के आगे टिक नही पायेगा।

सच गिरेगा संभलेगा पर नहीं मरेगा
झूठ बढ़ेगा फैलेगा पर नहीं टिकेगा ।

झूठ बोल कर कितने दिन खुश रहेगा
झूठ का एक दिन पर्दाफाश हो जाएगा।

एक न एक दिन सच सामने आ जाएगा
झूठ का सच एक दिन सामने आएगा।
अपनी सच्चाई पर कभी झुकूगी नहीं
सच और झूठ का फर्क सामने आ ही जाएगा।

सच धधक कर सामनेआएगा
झूठ का चेहरा उतर जाएगा।

## गणतंत्र दिवस

तिरंगा ध्वज
गणतंत्र दिवस
गुलाबी ठंड।

मनाते हम
छब्बीस जनवरी
राष्ट्रीय पर्व।

फहरा ध्वज
पावन गणतंत्र
विकास पथ।

तिरंगा झंडा
छब्बीस जनवरी
देश स्वतंत्र।

खुशी मनाये
तिरंगा फहराए
पर्व स्वराज्य।

ध्वज हमारा
घर घर फहरा
आँखों का तारा।

सैनिक धन्य
माँ भारती सम्मान
लेते हैं प्रण।

**शहर समता - ब्यूरो प्रमुख**

देहरादून ब्यूरो - निशा अतुल्य,
सतना ब्यूरो - डॉ ऊषा सक्सेना,
रीवां ब्यूरो - साधना तिवारी,
लखनऊ ब्यूरो - मंजु सक्सेना,
जबलपुर ब्यूरो - शैली सेठ,
लुधियाना ब्यूरो - श्रद्धा शुक्ला,
जौनपुर ब्यूरो - डॉ मधु पाठक,
हैदराबाद ब्यूरो -रीना प्रदीप कुमार,
भिलाई ब्यूरो - संध्या चंदेल,
गोरखपुर ब्यूरो - चित्रा श्रीवास्तव,
दिल्ली ब्यूरो - अफरोज़ अजीज,
तिनसुकिया गोलाघाट ब्यूरो - रंजना बिनानी,
प्रयागराज ब्यूरो - डॉ आकांक्षा पाल,
भीलवाड़ा ब्यूरो - डॉ राजमति पोखरना,
इंदौर ब्यूरो - आशा जाकड़,
शिलांग ब्यूरो - डॉ अनीता पंडा,
बिलासपुर ब्यूरो - स्मृति मिश्रा 'रीति,
रायपुर ब्यूरो - सीमा निगम,
कानपुर ब्यूरो - सीमा वर्णिका,
भोपाल ब्यूरो - दीपमाला तिवारी,
दमोह ब्यूरो- भावना शिवहरे,
मण्डला ब्यूरो - डॉ अर्चना जैन
बनारस ब्यूरो - सुनीता जौहरी,
आरा ब्यूरो - सिम्पल सिंह,
बिजनौर ब्यूरो - ऋतुबाला रस्तोगी,
पठानकोट ब्यूरो - क्षमा लाल गुप्ता,
सप्तरी नेपाल ब्यूरो - करुणा झा,
धम्तरी ब्यूरो - कामिनी कौशिक,
रामपुर ब्यूरो - चंद्रिका कुमार 'चांदनी',,
मुरादाबाद ब्यूरो - अभिव्यक्ति सिन्हा,
कटनी ब्यूरो - मीरा भार्गव,
पटना ब्यूरो - अंजू भारती

## डॉ पूर्णिमा पाण्डेय की रचित

# धैर्य

व्यक्ति को किसी विपत्ति आने पर धैर्य का त्याग नहीं करना चाहिए । धैर्य ही मनुष्य को जीवन में सभी बाधाओं को पार कर सफलता के सोपान पर ले जाते में सहायक होता है । ऐसा ही साधना की बहन के साथ हुआ । कोरोना की दूसरी लहर चल रही थी सब कोरोना की वजह से डरे थे। साधना की छोटी बहन आराधना अपने पति एवं उसकी दो लड़कियां एक सत्रह साल की दूसरी बारह साल की सुख पूर्वक जीवन जी रहे थे।

साधना अपनी बहन के प्रतिदिन हाल-चाल लेती थी। दोंनो बहनों में आयु का कम अंतर होने के कारण दोनों में पटती बहुत थी । एक - एक बात दोनों आपस मे साझा करती थी। साधना ने अपनी बहन को फोन किया तो पता चला कि उसके पति को हल्का सा बुखार है। साधना ने कहा डॉक्टर से पूछ कर दवा दे दो , आजकल घर- घर बुखार फैला है । आराधना के पति के मित्र डॉक्टर थे ,बहन ने पूछा उन्होंने दवा बता दी बोले आज खा ले कल उतर जाएगा यदि नही उतरा तो कोरोना टेस्ट करवा लेना । खैर दो डोज़ में बुखार उतर गया। अगले दिन रविवार को साधना ने सुबह फोन किया पता चला ठीक हैं फिर शाम को किया पता चला बहन बहुत परेशान है कि पति की तबीयत बहुत खराब हो रही है , हालत अचानक बिगड़ती जा रही है ...साँस नही ले पा रहे हैं बहुत बेचैनी हैं.. दीदी क्या करूं कुछ समझ मे नही आ रहा? फोन पर रोए जा रही थी। साधना ने आराधना को ढांढस बंधाया और कहा अस्पताल ले जाओ तुरन्त। किसी तरह अस्पताल ले गई... बेड मिला पर ऑक्सीजन सिलेंडर नही । वापिस आ गई। कोई आसपास के लोग मदद के लिये नही आया ..कोरोना के डर से।जैसे तैसे सिलेंडर का इंतजाम हुआ तब तक साधना के बहनोई स्वर्ग सिधार चुके थे।

साधना अपनी बहन को केवल धीरज बंधाती रही। वह रोए जा रही थी । बेटियों को साधना के पति धैर्य बंधाते रहे। बेटी को कहा कि तुम एंबुलेंस को बुलाकर इनको घाट ले जाओ एंबुलेंस बुक की बेटी ने ,2 घंटे तक एंबुलेंस नहीं आई । साधना बहन को ढांढस बंधा रही धीरज से काम लो, आराधना ने भी अपने को मजबूत कर बेटियों को हिम्मत बंधाई।

बड़ी बेटी कार चलाना जानती थी दोनों बेटियों ने पीपीकिट पहनकर मृत पापा को कार में किसी तरह बिठाया और श्मशान घाट ले गई । बहन अकेले घर मे , क्या गुजर रही होगी उस पर...रात में देर से वापस आयी बेटियां । तब तक साधना अपनी बहन को समझाती रही दिल पर पत्थर रखकर । कोरोना की वजह से एवम परिवार के दबाब में वह अपनी बहन के पास जा भी नही सकती थी। बहन को बहन की बातें समझ में आई उसने संकट के समय धीरज नहीं छोड़ा ,ना अपना कर्त्तव्य और विवेक । इतनी बड़ी परेशानी आने पर भी दबाब व तनाव झेलते हुए सहन करने की क्षमता धैर्य में है.... धन्य है जो इतनी बड़ी विपत्ति का सामना अकेले कर ले गई।

# प्यार और त्याग

रीमा शादी के बाद पति के साथ डलहौजी घूमने गई । वहां जिस होटल में रुकी थी वहां बगल के रूम में एक नई शादी शुदा कपल भी रुके थे । होटल वाले टैक्सी बुक कर देते और वह जगह जगह घूमते। जहां जहाँ रीमा जाती, वहां उन कपल को भी देखते लेकिन आपस में कोई बात नही होती । एक दिन रीमा के पति का रूम में पैर फिसल गया गिर गए। सिर फट गया और बहुत खून निकला जिससे रीमा के पति बेहोश हो गए । रीमा बहुत परेशान .....रीमा ने बगल के रूम का दरवाजा खटखटाया और उन्हें बताया वह दोनों तुरंत आए उन्होंने रीमा के पति के चोट की जगह चादर बांधी खून को रोकने के लिए। नीचे जाकर अस्पताल का पता लगाने लगे। वहां कोई अच्छा अस्पताल नहीं था काफी दूर ऊंची नीची पहाड़ियां पार करने के बाद अस्पताल पहुंचे।

डॉक्टर ने खून की कमी बताई। रीमा का खून मैच नहीं किया। घर वालों को सिग्नल न मिलने के कारण फोन नहीं लग पा रहा था । लेकिन उन दोनों का खून मैच कर गया। दोनों ने रीमा के पति को खून दिया। रीमा के पति को होश आया। डॉक्टर ने तीन दिन अस्पताल में रुकने को कहा। वह दोनों रीमा के लिए भगवान बन कर आए । रीमा को बहन कहकर ढांढस देते रहे । उनका बहन कहना, रीमा को लगा उसे भाई मिल गया । तीन दिन उन्होंने अपने घूमने के सारे प्रोग्राम कैंसिल कर दिए और रीमा के पति की सेवा सुश्रुषा की वह काफी ठीक हो गए ।उनका प्यार और त्याग को रीमा आज भी भूल नहीं पायी।

# विजयादशमी

सिया दुलारी अबकी बार बहुत खुश थी क्योंकि बेटा ऋषि सपरिवार विजयादशमी मनाने आ रहा है ।दस वर्ष का पोता , बारह वर्ष की पोती अबकी बार बच्चे कई सालों बाद रावण दहन देखेंगे।सिया दुलारी गांव की सरपंच होने के कारण उनकी कुर्सी ऐसे समारोह में आगे लगती थी। रावण दहन का अबकी बार परिवार सहित बच्चों के साथ आनन्द लेगी ।

बच्चों ने बहुत उत्सुकता से रावण दहन देखा। प्रतीक राम.. रावण के पुतले जैसे ही तीर चलाया वैसे ही वह तेज अग्नि के साथ जलने लगा। तभी बच्चे खुश होकर ताली बजाकर कहने लगे बुरे काम का बुरा नतीजा होता है बेटी परी बोली दादी रावण के दस सिर में दस बुराई थी। पापा ने बताया था अब दसों बुराइयों का अंत हो गया ।

सिया दुलारी को यह सुनकर बहुत खुशी हुई मन में सोचा अब रावण दहन की परंपरा दशहरा पर जरूर निभाऊंगी इससे बच्चों में संस्कार बढ़ता है वैसे भी बुरे काम का बुरा नतीजा होता है।

**संस्थापक**

स्व0 कन्हैया लाल, स्व0 साधना श्रीवास्तव

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
आरएनआई नं0 UPHIN/2001/3996

उप संपादक
डा0 अरुण कुमार मिश्रा
रचना सक्सेना

Mo. 9005239332
Email-shaharsamta@gmail.com

स्वत्वाधिकारी/मुद्रक/प्रकाशक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा इण्डियन प्रेस (पलि.) प्रा0लि0, 36 पन्ना लाल रोड, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, (अनन्त भवन) कर्नलगंज, इलाहाबाद से प्रकाशित।

इस अंक के प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा समस्त विवादों का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में ही होगा।

# नए शिखर पर भारत की विदेश नीति

## प्रधानमंत्री मोदी द्वारा फ्रांस और अमेरिका के साथ मजबूत संबंधों को बढ़ावा

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फ्रांस में कूटनीतिक कदम

10-12 फरवरी 2025

### 1 एआई एक्शन शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की

- राष्ट्रपति मैक्रों के साथ सह-अध्यक्षता की
- सुरक्षित, संरक्षित और भरोसेमंद एआई के लिए **भारत-फ्रांस एआई रोडमैप** लॉन्च किया गया

### 2 गतिशील द्विपक्षीय सहयोग

- प्रधानमंत्री मोदी की **छठी फ्रांस यात्रा**
- मार्सिले में **भारत के महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन** किया गया
- भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026 का शुभारंभ नई दिल्ली में किया जाएगा
- **जलवायु परिवर्तन के लिए भारत-यूएई मैंग्रोव गठबंधन** में शामिल हुआ **फ्रांस**
- प्रधानमंत्री मोदी ने **नजारग्यूज युद्ध समाधि स्थल** में भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की

### 3 रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र को मजबूती

- भारत **यूरोड्रोन MALE कार्यक्रम** में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल
- रक्षा नवाचार के लिए **FRIND-X** का शुभारंभ
- **डीआरडीओ-ओएनईआरए अनुसंधान एवं विकास साझेदारी** को मजबूत किया गया
- **एनएसजी-जीआईजीएन आतंकवाद विरोधी सहयोग** में वृद्धि
- **परमाणु ऊर्जा** सहयोग पर विशेष गौर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस, फ्रांस में 11 फरवरी, 2025 को एआई एक्शन शिखर सम्मेलन में भाग लिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व्हाइट हाउस, वॉशिंगटन डीसी में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ

## अमेरिका के साथ प्रधानमंत्री मोदी की प्रभावशाली रणनीति

12-13 फरवरी 2025

### 1 रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी के लिए नई यूएस-इंडिया COMPACT पहल की शुरुआत

**रक्षा एवं सुरक्षा**

- **अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी** के लिए 10 वर्षीय रूपरेखा
- एआई-सक्षम रक्षा तकनीक के लिए **ASIA गठबंधन** की शुरुआत
- **टाइगर ट्रायंफ** अभ्यास का विस्तार
- **इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स और खुफिया** साझेदारी को मजबूत किया गया

**व्यापार एवं निवेश - 'मिशन 500'**

- 2030 तक **व्यापार को दोगुना** कर $500 बिलियन तक पहुंचाने का लक्ष्य
- **द्विपक्षीय व्यापार मामलों** पर वार्ता फॉल 2025 के लिए निर्धारित
- अमेरिका में **भारत के $7.35 बिलियन के नए निवेश**

**प्रौद्योगिकी और नवाचार - 'यूएस-इंडिया ट्रस्ट' पहल**

- **एआई** इंफ्रास्ट्रक्चर रूपरेखा
- अंतरिक्ष, ऊर्जा और तकनीकी साझेदारियों के लिए **इंडस-एक्स**
- **नासा-इसरो:** आईएसएस और एनआईएसएआर पृथ्वी-मानचित्रण मिशन के लिए पहला भारतीय अंतरिक्ष यात्री

### 2 ऊर्जा एवं स्वच्छ तकनीक को बढ़ावा

- **अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी में भारत की पूर्ण सदस्यता** के लिए अमेरिका का समर्थन
- **अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु समझौते** में प्रगति

### 3 बहुपक्षीय और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा का बढ़ता दायरा

- क्षेत्रीय सुरक्षा और व्यापार के लिए **क्वाड को बनाया मजबूत**
- बुनियादी ढांचे और वाणिज्य के लिए **हिंद महासागर रणनीतिक उद्यम**
- अमेरिका ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को दी मंजूरी
- पाकिस्तान से 26/11 और पठानकोट हमलावरों पर कार्रवाई करने की मांग
- समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने के लिए **कम्बाइंड मेरीटाइम फोर्सेस में शामिल हुआ भारत**

### 4 लोगों के बीच आपसी संबंधों को बढ़ावा

- **3 लाख भारतीय छात्रों** का अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 8 अरब डॉलर का योगदान
- दोहरे डिग्री कार्यक्रमों के माध्यम से **उच्च शिक्षा संबंधों को किया गया मजबूत**
- प्रोफेशनल्स और पर्यटकों के लिए **कानूनी गतिशीलता सुव्यवस्थित**
- तस्करी, संगठित अपराध और साइबर खतरों के खिलाफ साझा प्रयास

BC 22201/13/0040/2425